तुम्हारे हैं हम | by Sona Jadhav

क्या पाया है दर तेरे आके तू जाने या मैं जानू
मिलता है क्या तुमको रिझा कर तू जाने या मैं जानू
सब चाहते हैं जीत जहाँ में किसको पसन् यहाँ हारना
क्या जीता हूँ खुद को हरा कर तू जाने या मैं जानू
मिलता है क्या तुमको रिझा कर तू जाने या मैं जानू
अपनी हस्ती कर दी समर्पित तेरे नाम की ज्योत में
निखरा हूँ मैं खुद को बुझा कर तू जाने या मैं जानू
मिलता है क्या तुमको रिझा कर तू जाने या मैं जानू
प्रेम समर्पण की है पूँजी तुझपे लुटा दी सांवरे
प्रेम समर्पण की सब पूँजी तुझपे लुटा दी सांवरे
कितना धनी हूँ सबकुछ लुटा के तू जाने या मैं जानू
मिलता है क्या तुमको रिझा कर तू जाने या मैं जानू
सोनू करे बस चर्चा तुम्हारी और ना गुण कोई ख़ास है
काबिल हुआ हूँ गुण तेरे गाकर तू जाने या मैं जानू
मिलता है क्या तुमको रिझा कर तू जाने या मैं जा

https://bhaktivandana.com/lyrics/tumhare-hain-hum-by-sona-jadhav/